www.sgbauonline.com

AU–2340

M.A. Part–I (Semester–II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

Paper–VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :- (1) Solve **all** questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Write notation of complete Vilambit Khyal in any raga from syllabi. Write complete Chota Khyal in any other raga with notation and write two taans of one avartan.

OR

Describe in detail two ragas of Dhanashri Aang and give their alap and Tan Swarup from the syllabus. 16

2. Write description of the system of Thata Raga classification and explain limitations of that system.

OR

Write prime swara-sangati of Kalyan and Dhanashri raganga and explain how it adopted in ragas from syllabi. 16

3. Music and poetry are co-related – explain.

OR

Write analytical description of two compositions from syllabi which you like most. 16

4. Write description of any four song form of Karnataki Music and write its similarities with North Indian song form.

OR

Write detailed analysis of South Indian Taal system. 16

5. Select appropriate option :

(i) According to Bharat Mat, How many Raginies of every raga ?

(a) Six (b) Five

(c) Nine (d) Thirty Six

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ii) Rag from ragang having Shuddha Dhanashri gandhar :

(a) Bhimpalasi (b) Dhanashri

(c) Gowati (d) Patdeep

(iii) Misra jati Athh taal beats :

(a) 18 (b) 16

(c) 12 (d) 20

(iv) The meter 'Bhujanga Prayat' sets in :

(a) Trital (b) Rupak

(c) Dadra (d) Jhap Tal

(v) Which sign is used for Laghu in Karnatak tal system ?

(a) 1 (b) 0

(c) ⌣ (d) X

(vi) Indian kind, similar to 'Kalpana Swaram' :

(a) Alap (b) Sargam

(c) Laykari (d) Taan

(vii) Karnataki Ektal (Khand Jati) beats :

(a) 5 (b) 10

(c) 9 (d) 12

(viii) Generally how many swars in the Avaroh of Ragas from Dhanashree Anga ?

(a) Five (b) Six

(c) Seven (d) Four

(ix) A composition starts from 3rd Tali of Trital. The Mukhda will be of :

(a) 8 beats (b) 5 beats

(c) 4 beats (d) 14 beats

(x) 'लगागागा' sets in :

(a) Dadra (b) Kcharva

(c) Rupak (d) Jhaptal

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(xi) In Karnatak Tal system, how many matra of Ektal ?

(a) 4 (b) 8

(c) 9 (d) 16

(xii) A kind of 'Kalyan' which omits sharp madhyam :

(a) Puriya Kalyan (b) Gorakh Kalyan

(c) Shudha Kalyan (d) Yaman

(xiii) Jati of Karnataki taals – Tistra, Khanda, Sankeerna have beats respectively :

(a) 3, 5, 7 (b) 3, 7, 9

(c) 3, 5, 9 (d) 3, 9, 7

(xiv) 1011 sign denotes which tala ?

(a) Dhruva (b) Atha

(c) Triput (d) Roopak

(xv) A tal from Karnataka having similar matras of Jhaptal :

(a) Roopak (b) Jhanpa

(c) Math (d) Ektal

(xvi) Tistra Jati Rupak tal beats :

(a) 6 (b) 5

(c) 7 (d) 8 16

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2340

M.A. Part–I (Semester–II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

Paper–VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(मराठी माध्यम)

नोट :– (1) सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. पाठयक्रमातील कोणत्याही एका रागात संपूर्ण विलंबित ख्याल स्वरलिपीबद्ध करा. तसेच दुसऱ्या रागात संपूर्ण छोटाख्याल स्वरलिपीबद्ध करून त्याच्या पूर्ण आवर्तनाच्या दोन ताना लिहा.

किंवा

अभ्यासक्रमातील धनाश्री अंगाच्या कोणत्याही दोन रागांचे विस्तृत शास्त्रिय विवेचन करून त्यांचे आलाप तानांचे स्वरूप लिहा. 16

2. थाट रागवर्गिकरण पद्धतीचा परिचय लिहून त्या पद्धतीच्या मर्यादा स्पष्ट करा.

किंवा

कल्याण व धनाश्री रागांगाच्या मुख्य स्वरसंगती विशद करून पाठयक्रमातील रागांमधील त्यांचे स्वरूप स्पष्ट करा. 16

3. संगीत व काव्य परस्पर पुरक आहेत : स्पष्ट करा.

किंवा

पाठयक्रमातील तुम्हाला आवडलेल्या कोणत्याही दोन बंदिशीचे विश्लेषण करा. 16

4. कर्नाटक संगीतातील कोणत्याही चार गीतप्रकारांची विस्तृत माहिती लिहून उत्तर हिंदुस्थानी गीतप्रकारांशी त्यांचे साम्य लिहा.

किंवा

दाक्षिणात्य तालपद्धतीचे विस्तृत विश्लेषण लिहा. 16

5. योग्य पर्याय निवडा :

(i) भरत मता मध्ये प्रत्येक रागाच्या किती रागिण्या मानल्या गेल्या आहेत ?

(अ) सहा (ब) पाच

(क) नऊ (ड) छत्तीस

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ii) धनाश्री अंगाचा शुद्ध गंधारयुक्त राग :

(अ) भीमपलासी (ब) धनाश्री

(क) गाबती (ड) पटदीप

(iii) मिश्रजाति अठताल मात्रा :

(अ) 18 (ब) 16

(क) 12 (ड) 20

(iv) भुजंगप्रयात वृत्त या तालात बसते :

(अ) त्रिताल (ब) रूपक

(क) दादरा (ड) झपताल

(v) कर्नाटक ताल पद्धतीमध्ये लघु साठी कोणते चिन्ह वापरतात ?

(अ) 1 (ब) 0

(क) ⌣ (ड) X

(vi) 'कल्पनास्वरम्' ला समांतर हिंदुस्थानी प्रकार :

(अ) आलाप (ब) सरगम

(क) लयकारी (ड) तान

(vii) कर्नाटकी एकताल (खंड जाति) मात्रा :

(अ) 5 (ब) 10

(क) 9 (ड) 12

(viii) साधारणत: धनाश्री अंगाच्या रागांच्या अवरोहामध्ये स्वर असतात :

(अ) पाच (ब) सहा

(क) सात (ड) चार

(ix) त्रितालात तिसऱ्या टाळीपासून सुरू होणाऱ्या बंदिशीचा मुखडा :

(अ) 8 मात्रांचा (ब) 5 मात्रांचा

(क) 4 मात्रांचा (ड) 14 मात्रांचा

(x) 'लगागागा' पुढील तालात बसेल :

(अ) दादरा (ब) केहरवा

(क) रूपक (ड) झपताल

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(xi) कर्नाटक ताल पद्धतीमध्ये एकतालाच्या मात्रा :

(अ) चार (ब) आठ

(क) नऊ (ड) सोळा

(xii) तीव्र मध्यम नसलेला कल्याण :

(अ) पूरियाकल्याण (ब) गोरखकल्याण

(क) शुद्धकल्याण (ड) यमन

(xiii) कर्नाटकी तालांच्या जाति : तीस्त्र, खंड, संकीर्ण यांच्या मात्रा अनुक्रमे :

(अ) 3, 5, 7 (ब) 3, 7, 9

(क) 3, 5, 9 (ड) 3, 9, 7

(xiv) 1011 चिन्ह कोणत्या ताल दर्शवितो ?

(अ) ध्रुव (ब) अठ

(क) त्रिपुट (ड) रूपक

(xv) झपतालच्या समान मात्रा असलेला दाक्षिणात्य ताल :

(अ) रूपक (ब) झंप

(क) मठ (ड) एक

(xvi) तीस्त्र जाति रूपक तालाच्या मात्रा :

(अ) 6 (ब) 5

(क) 7 (ड) 8 16

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2340

M.A. Part–I (Semester–II) Examination

MUSIC

(Shastriya Sangitache Kriyatmak Siddhant)

Paper–VII

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(हिन्दी माध्यम)

नोट :– (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. पाठ्यक्रम से किसी एक राग में विलंबित ख्याल संपूर्ण स्वरलिपीबद्ध कीजिए तथा दूसरे राग में संपूर्ण छोटाख्याल लिपिबद्ध कर उसकी पूरे आवर्तन की दो तानें लिखिए।

अथवा

पाठ्यक्रम के धनाश्री अंग के किन्हीं दो रागों की विस्तृत जानकारी देकर उनके आलाप व तान स्वरूप को दर्शाइये। 16

2. थाट-रागवर्गीकरण पद्धति का परिचय लिखकर उस पद्धति की सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कल्याण तथा धनाश्री रागांगों की प्रमुख स्वरसंगतियाँ विशद कर पाठ्यक्रम के रागों में उनका रूप स्पष्ट कीजिए। 16

3. 'संगीत एवं काव्य परस्पर पूरक हैं' – स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पाठ्यक्रम से आपकी पसंदीदा 2 बंदिशों का विश्लेषण कीजिये। 16

4. कर्नाटकी संगीत के किन्हीं चार गीत प्रकारों का विस्तृत परिचय लिखकर उत्तर हिंदुस्थानी गीतप्रकारों से उनकी समानता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दाक्षिणात्य ताल पद्धति का विस्तृत विश्लेषण कीजिये। 16

5. उचित विकल्प चुनिये :

(i) भरत मत में प्रत्येक राग की कितनी रागनियां मानी गयी हैं :

(अ) छह (ब) पांच

(क) नौ (ड) छत्तीस

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(ii) धनाश्री अंग का शुद्ध गंधारयुक्त राग :

(अ) भीमपलासी (ब) धनाश्री

(क) गावती (ड) पटदीप

(iii) मिश्रजाति अठताल मात्रा :

(अ) 18 (ब) 16

(क) 12 (ड) 20

(iv) भुजंगप्रयात छंद इस ताल में बैठता है :

(अ) त्रिताल (ब) रूपक

(क) दादरा (ड) झपताल

(v) कर्नाटक ताल पद्धति में लघु को किस चिन्ह द्वारा दर्शाया जाता है :

(अ) I (ब) 0

(क) ◡ (ड) X

(vi) 'कल्पनास्वरम' जैसा हिंदुस्थानी प्रकार :

(अ) आलाप (ब) सरगम

(क) लयकारी (ड) तान

(vii) कर्नाटकी एकताल (खण्ड जाति) मात्रा :

(अ) 5 (ब) 10

(क) 9 (ड) 12

(viii) साधारणत: धनाश्री अंग के रागों के अवरोह में स्वर होते हैं :

(अ) पांच (ब) छह

(क) सात (ड) चार

(ix) त्रिताल में तीसरी ताली से शुरु बंदिश का मुखड़ा :

(अ) 8 मात्राओं का (ब) 5 मात्राओं का

(क) 4 मात्राओं का (ड) 14 मात्राओं का

(x) 'लगागागा' इस ताल में बैठेगी :

(अ) दादरा (ब) कहरवा

(क) रूपक (ड) झपताल

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(xi) कर्नाटक तालपद्धति में एकताल में कितनी मात्राएं होती हैं :

(अ) चार (ब) आठ

(क) नौ (ड) सोलह

(xii) तीव्र मध्यम रहित कल्याण :

(अ) पूरियाकल्याण (ब) गोरखकल्याण

(क) शुद्धकल्याण (ड) यमन

(xiii) कर्नाटकी ताल की जातियाँ - तीस्त्र, खंड, संकीर्ण इनकी मात्राएँ क्रमश :

(अ) 3, 5, 7 (ब) 3, 7, 9

(क) 3, 5, 9 (ड) 3, 9, 7

(xiv) 1011 चिन्ह किस ताल को दर्शाता है :

(अ) ध्रुव (ब) अठ

(क) त्रिपुट (ड) रूपक

(xv) झपताल के समान मात्राओं वाला कर्नाटक संगीत का ताल है :

(अ) रूपक (ब) झंप

(क) मठ (ड) एक

(xvi) तीस्त्र जाति रूपक ताल की मात्राएँ :

(अ) 6 (ब) 5

(क) 7 (ड) 8 16

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com